

दरजा 4. किसी वाद विवाद का पूर्वपक्ष 5. उत्कृष्टता 6. अर्धचंद्र का सिर 7. समूह 8. किसी 90 अंश के चाप के दो भागों में से एक 9. किसी त्रिभुज या चतुर्भुज की भूमि या आधार और कर्ण से भिन्न रेखा 10. राशिचक्र का तृतीय अंश 11. असवर्ग नामक सुगंधित द्रव्य जो औषध के काम आता है 12. अंतिम सीमा।

कोटिक्रम पुं. (तत्.) श्रेणी का क्रम, विकास क्रम।

कोटिज्या स्त्री. (तत्.) ग्रहों की स्पष्टता के लिए बनाए हुए एक प्रकार के क्षेत्र का एक विशेष अंश।

कोटितीर्थ पुं. (तत्.) तीर्थ विशेष, इस नाम के तीर्थ अनेक हैं पर उज्जैन और चित्रकूट के तीर्थ प्रसिद्ध हैं।

कोटिशः वि. (तत्.) बहुत अधिक, बहुत-बहुत जैसे- आपको कोटिशः बधाई।

कोटीश पुं. (तत्.) करोड़पति, कोट्यधीश।

कोट्यधीश पुं. (तत्.) [कोटि+अधीश] करोड़पति, करोड़ी।

कोठर पुं. (तत्.) अंकोल का पेड़।

कोठरी स्त्री. (देश.) मकान का वह छोटा स्थान जो चारों ओर दीवारों से घिरा हो और ऊपर से छाया हो, छोटा कमरा मुहा. कालकोठरी- भयंकर अपराधियों को अकेले रखने के लिए जेल में तंग और अंधेरी कोठरी।

कोठा पुं. (तद्.) 1. बड़ी कोठरी, चौड़ा कमरा 2. वह स्थान जहाँ बहुत सी चीजें संग्रह करके रखी जाएँ, भंडार 3. मकान की छत या पाटन के ऊपर का कमरा, अटारी मुहा. कोठे पर चढ़ना- किसी ऐसे स्थान पर पहुँचना जहाँ सब लोग देख सके, अधिक प्रसिद्ध होना जैसे- ओठों निकली, कोठो चढ़ी 4. बड़ा मकान, संपन्न व्यक्ति का बड़ा मकान 5. वह स्थान जहाँ वेश्या निवास करती है; मुहा. कोठे पर बैठना- वेश्या बनना, वेश्यावृत्ति करना; पेट, आमाशय मुहा. कोठा बिगड़ना- अपच रोग होना; कोठा साफ होना- साफ दस्त के बाद पेट का हल्का हो जाना 7.

गर्भाशय धरन, कोठा बिगड़ना-गर्भाशय में किसी प्रकार का रोग होना।

कोठादार पुं. (तद्.फा.) भंडारी, कोठारी, भंडार का अधिकारी।

कोठार पुं. (तद्.) अन्न, धान्यादि रखने का स्थान, भंडार जैसे- गृहस्थ कोठार की रक्षा बड़े यत्न से करते हैं।

कोठारी पुं. (तद्.) वह अधिकारी जो भंडार का प्रबंध करता है जैसे- कोठारी जी के आने पर तुम्हें अन्न आदि मिल सकेगा।

कोठी स्त्री. (तद्.) 1. उन बाँसों का समूह जो एक साथ मंडलाकार उगते हैं 2. बड़ा पक्का मकान, पुराने समय में अंग्रेजों के रहने का मकान, बंगला 3. वह मकान जिसमें रुपए का लेन देन या कोई बड़ा कारोबार हो मुहा. कोठी करना- महाजनी का काम शुरू करना, लेन देन का काम करना, बड़ी दूकान खोलना; कोठी चलाना- महाजनी का कारोबार करना; कोठी बैठना- दिवाला निकलना, कारोबार में घाटा आना 4. अनाज रखने का कुठला, दरबार, गंज जैसे- कोठी में अनाज डाल दो 5. कुँ की दीवार 6. गर्भाशय, बच्चादानी 7. म्यान की साम 8. कोल्हू के बीच का वह स्थान या घेरा जिसमें परेने के लिए गन्ने के टुकड़े डाले जाते हैं।

कोठेवाली स्त्री. (देश.) वेश्या, बाजारू स्त्री।

कोड पुं. (अं.) 1. वह पुस्तक जिसमें किसी प्रकार के संकेत और उनके प्रयोग के नियम लिखे जाते हैं, संकेतपद्धति, संकेत विधान 2. किसी विषय पर प्रयोग के नियमों का संग्रह, संहिता।

कोड़ना स.क्रि. (तद्.) खेत की मिट्टी को कुछ गहराई तक खोदकर उलट देना, गोड़ना।

कोड़वाना स.क्रि. (देश.) कोड़ना का प्रेरक रूप, दूसरों के द्वारा कोड़ने का काम कराना।

कोड़ा पुं. (देश.) 1. छोटा डंडा या दस्ता चमड़े या सूत को बट कर लगाया जाता है और जो मनुष्यों और जानवरों को मारने के काम में आता